PRESS RELEASE

FOURTH SCORPENE CLASS SUBMARINE VELA DELIVERED

Mazagon Dock Shipbuilders Limited ("MDL") continues its saga of 'self-reliance' 'AatmaNirbhar Bharat'and 'Make in India' Initiative of the Government of India, with the delivery of the fourth Scorpene Submarine of Project P-75 on 09 Nov 2021 to the Indian Navy, subsequently to be commissioned into Indian Navy as INS Vela. The Acceptance Document was signed by VAdm Narayan Prasad, AVSM, NM, IN (Retd), Chairman & Managing Director MDL and RAdm KP Arvindan, VSM, Chief Staff Officer (Tech), Western Naval Command in the presence of MDL Directors and Navy personnel at MDL.

With the delivery of Vela, India further cements its position as a submarine building nation and MDL has lived up to its reputation as one of the India's leading shipyards with capacity and capability to meet requirements and aspirations of the Indian Navy in all dimensions. The delivery of four Submarines namely, Kalvari, Khanderi, Karanj and now Vela, reaffirmed India's membership in the exclusive group of submarine building nations.

The fifth submarine Vagir, was launched on 12 November 2020 and has commenced her harbour trials and is expected to go for maiden surface sortie in Dec 21 whilst the sixth submarine is presently in the advance stage of outfitting.

Two SSK submarines built by MDL in 1992 and 1994 are still in service today, after more than 25 years and is a clear testimony of MDL's quality of construction. MDL has also achieved expertise in submarine refits by successfully executing the Medium Refit-cum-Upgradation of all the four SSK class submarines of the Indian Navy. It is

presently carrying out the Medium Refit and Life Certification of INS Shishumar, the first SSK submarine.

MDL has always been in the forefront of the nation's progressive indigenous warship building programme. With the construction of the Leander & Godavari class Frigates, Khukri class Corvettes, Missile Boats, Delhi & Kolkata class Destroyers and the newly inducted Vishakhapatnam class of Destroyers, Shivalik class Stealth Frigates, the SSK submarines and the Scorpene submarine under its belt, the history of modern day MDL almost maps the history of indigenous warship building in India.

चौथी स्कोर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी वेला की डिलीवरी

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ("एमडीएल") ने 09 नवंबर 2021 को भारतीय नौसेना की परियोजना पी-75 की चौथी स्कोर्पीन पनडुब्बी को डिलीवरी के साथ भारत सरकार की "आत्मनिर्भर भारत" और 'मेक इन इंडिया' पहल की अपनी गाथा जारी रखी, जिसे बाद में आईएनएस वेला के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। स्वीकृति दस्तावेज पर एमडीएल के निदेशकों और नौसेना कार्मिकों की उपस्थिति में वाईस एडमिरल नारायण प्रसाद, एवीएसएम, एनएम, भानौ(नि), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एमडीएल और रियर एडमिरल केपी अरविंदन, वीएसएम, चीफ स्टाफ ऑफिसर (टेक) पश्चिम नौसेना कमांड ने हस्ताक्षर किए गए थे।

वेला की डिलीवरी के साथ भारत एक पनडुब्बी निर्माण राष्ट्र के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करता है और एमडीएल सभी आयामों में भारतीय नौसेना की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने की क्षमता और सामर्थ्य के साथ भारत के अग्रणी शिपयार्ड के

रूप में अपनी प्रतिष्ठा पर खरा उतरा है। कलवरी, खंडेरी, करंज और अभी वेला नामक चार पनडुब्बियों की डिलीवरी ने राष्ट्र निर्माण करने वाले पनडुब्बियों के विशेष समूह में भारत की सदस्यता की पुष्टि की है।

पांचवी पनडुब्बी वागीर, 12 नवंबर 2020 को लॉन्च की गई थी और उसने अपना समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है तथा दिसंबर 2021 को अपनी पहली सतही उड़ान भरने की उम्मीद है, जबकि छठवीं पनडुब्बी वर्तमान में आउटफिटिंग के अग्रिम चरण में है।

एमडीएल द्वारा वर्ष 1992 और 1994 में निर्मित एसएसके पनडुब्बियाँ आज भी 25 वर्षों से अधिक समय तक सक्रिय सेवा में है और यह एमडीएल के निर्माण गुणवत्ता का स्पष्ट प्रमाण है। एमडीएल ने भारतीय नौसेना की सभी चार एसएसके श्रेणी पनडुब्बियों के माध्यम पुर्नसज्जा सह उन्नयन के सफल निष्पादन के साथ पनडुब्बी पुर्नसज्जा में भी विशेषज्ञता प्राप्त किया है। वर्तमान समय में एमडीएल एसएसके पनडुब्बी आईएनएस शिशुमार की मध्यम पुर्नसज्जा और लाइफ सर्टिफिकेटशन का कार्य पूरा कर रहा है।

एमडीएल हमेशा राष्ट्र के प्रगतिशील स्वदेशी युद्धपोत निर्माण कार्यक्रम में सबसे आगे रहा है। लिएंडर और गोदावरी श्रेणी युद्धपोत, खुकरी श्रेणी कारवेट्स, मिसाईल बोट्स, दिल्ली और कोलकाता श्रेणी विध्वंसक और नव शामिल विशाखापत्तनम श्रेणी विध्वसंक, शिवालिक श्रेणी स्टील्थ युद्धपोत, एसएसके पनडुब्बियों और स्कोर्पीन पनडुब्बी इस क्षेत्र में है। वर्तमान समय का इतिहास भारत में एमडीएल के स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के इतिहास के नक्शे को पूरा करता है।